भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी कार्यपत्रिका - पर्वत प्रदेश में पावस

कक्षा : X दिनांक :

प्रश्नोत्तर

1. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं ? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

उ. पावस ऋतु में प्रकृति नए-नए रूपों में हमारे सामने आती है । धरती गीली हो जाती है । तालाब भर जाते हैं । उनमें से पहाड़ों का प्रतिबिंब झाँकने लगता है । कभी विशाल आकार के चमकीले बादल पहाड़ के समान आकाश में उड़ते प्रतीत होते हैं । कभी अचानक वर्षा हो जाती है । कभी शाल के वृक्ष बादलों के बीच धँसे से जान पड़ते थे ।कभी तालोबों से धुआँ निकलने लगता है । इस प्रकार पावस-ऋतु में प्रकृति नए-नए रूप-रंग लेकर प्रकट होती है ।

2. 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है ? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है ?

उ. 'मेखलाकार' शब्द का अर्थ है - कमरबंद या करधनी के आकार का, गोलाईदार उभार वाला । कवि ने इस शब्द का प्रयोग पहाड़ की विशालता और फैलाव को दिखाने के लिए किया है ।

3. 'सहस्र दृग सुमन है' से क्या तात्पर्य है ? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा ?

उ. 'सहस्र दृग सुमन है' से तात्पर्य है - पहाड़ों पर खिले हुए हज़ारों फूल, जो पहाड़ की आँखों के समान प्रतीत हो रहे थे । कवि ने कल्पना की है कि पहाड़ अपने नीचे फैले तालाब रूपी दर्पण में अपना विशाल आकार निहार रहे हैं । इसके लिए आँखों की आवश्यकता थी । इसलिए कवि ने सुमनों को पहाड़ के नेत्र कहा ।

4. कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों ?

उ. कवि ने तालाब की समानता दर्पण के साथ की है । क्योंकि दर्पण साफ-स्वच्छ और प्रतिबिंब दिखाने में सक्षम होता है । तालाब में भी ये तीनों गुण थे । इस कारण उन्होंने तालाब की समानता दर्पण से की ।

5. पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यो देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं ?

उ. ऊँचे-ऊँचे वृक्ष पर्वत के हृदय से उठकर आकाश की ओर देखकर सोच रहे थे और कि वे कब आकाश को छू लेंगे । वे किस उपाय से इतना ऊँचा उठ सकेंगे । वे मन में उच्च आकांक्षा धारण किए हुए थे । वे मानव की महत्त्वाकांक्षा को प्रतिबिंबित करते हैं ।

6. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में क्यों धँस गए ?

उ. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में इसलिए धँस गए क्योंकि अंबर ने अचानक धरती पर वर्षा के बाणों से आक्रमण कर दिया था ।

7. झरने किसके गौरव का गान कर रहे हैं ? बहते हुए झरने की तुला किससे की गई है ?

या

'धँस गए धरा में सभय शाल' की कल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

उ. झरने गिरि के गौरव का गुणगान कर रहे थे । उन्होंने बहते हुए झरने की तुलना मोतियों की लड़ियों से की है ।